सुविचार

खुद का अपमान कराके जीने से तो अच्छा मर जाना है क्योंकि प्राणों के त्यागने से केवल एक ही बार कष्ट होता है पर अपमानित होकर जीवित रहने से आजीवन दुःख होता है।

–चाणक्य

हैलो सरकार

जनता की भावनाओं एवं आकांक्षाओं का एकमात्र समाचार-पत्र

पल-पल की टी.वी. एवं रेडियो खबरों के लिए लॉन ऑन करें- www.hellosarkar.com

हैलो सरकार समाचार पत्र में नियमित पाठक बनने, समाचार की प्रति मंगवाने व विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें
फोनः 0141-2202717
मो: 9214203182
वाट्सप नं. 9928078717

वर्ष-23 | अंक-252 | दैनिक प्रभात संस्करण | जयपुर, शुक्रवार 16 मई , 2025 | पृष्ठ-4 | मूल्यः 2.50

भारतीय सेना के अदम्य साहस से देश गौरवान्वित – सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और सेना के शौर्य सम्मान में गुरुवार को अल्बर्ट हॉल से तिरंगा यात्रा निकाली गई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस गौरवमयी यात्रा में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को ध्वस्त कर आंतकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया है।

शर्मा ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर प्रदेशवासियों की ओर से देश के वीर सैनिकों को नमन किया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय देते हुए पहलगाम हमले की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान में चिन्हित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारतीय सेना पर

देश के प्रत्येक व्यक्ति को गर्व है। वीर सशस्त्र बलों ने संयम और पराक्रम का अद्वितीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। शर्मा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री ने भारतीय सेना को जवाबी कार्यवाही के लिए पूरी छूट दी और भारतीय सेना ने भी साहस दिखाते हुए आंतकी अड्डों को समाप्त कर पाकिस्तान को सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्भीक और निर्णायक निर्णयों तथा सेना के शौर्य के कारण देश को आंतकवाद के खिलाफ बड़ी सफलता मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिकों की अदम्य वीरता के कारण मिली ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर पूरे देशभर में तिरंगा यात्रा निकाली जा रही है। राजस्थान में भी हर गांव, शहर और हर विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकालकर सैनिकों को सम्मान दिया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने ऑपरेशन सिंदूर में दुश्मन से लोहा लेते हुए वीरगति को प्राप्त होने वाले पराक्रमी सैनिकों को नमन कर श्रद्धा-सुमन अर्पित किए।

तिरंगा रैली-तिरंगे से पसीना पोंछते नजर आए भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य

जयपुर।'ऑपरेशन सिंदूर' की कामयाबी के बाद सेना के सम्मान में प्रदेश भाजपा ने गुरुवार को शहर में तिरंगा यात्रा निकाली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अल्बर्ट हाल यात्रा को रवाना किया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदनलाल राठौड़ के नेतृत्व में यात्रा आगे बढ़ी, जो बड़ी चौपड़ पहुंचकर सम्पन्न हुई। इस दौरान हर वर्ग-समुदाय और हर उम्र के लोग हाथ में तिरंगा लहराते हुए देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत नजर आए।'भारत माता की जय' के नारे लगाते रहे। देशप्रेम से जुड़े गानों पर लोग नाचते-गाते चलते रहे। आमजन से लेकर व्यापारियों ने स्वागत में पुष्प वर्षा की। जौहरी बाजार में जामा मस्जिद

के बाहर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने पलक पावड़े बिछाए। यात्रा में कई मंत्री, विधायक, सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए।

'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के लगे नारे

यात्रा के दौरान आतंकवाद के खिलाफ आक्रोश भी देखने को मिला। 'पाकिस्तान मुर्दाबाद' के नारों के साथ लोग आतंक के खिलाफ एक स्वर में बोलते नजर आए। हर हाथ में तिरंगा और हर दिल में देशभक्ति का संकल्प था।

विधायक ने फिर किया विवाद

वहीं यात्रा में ?जयपुर के हवामहल से भाजपा विधायक बालमुकुंदाचार्य कथित तौर पर तिरंगे से अपना पसीना पोंछते नजर आए। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। लोगों के साथ कांग्रेस ने भी सरकार व भाजपा से विधायक के खिलाफ एक्शन लेने की मांग की। इससे पहले भी विधायक बालमुकुंदाचार्य कई तरह के विवादों में फंसते रहे है। हाल ही में उनके खिलाफ मस्जिद में घुसने और नारेबाजी करने के मामले में एफआइआर दर्ज की गई थी।

विधायक बोले- तिरंगा नहीं रेशमी रूमाल था

इस मामले में विधायक से बात की तो उन्होंने कहा कि- यह तिरंगा नहीं, बल्कि सफेद और हरे रंग का रेशमी रूमाल था, जो एक कार्यकर्ता ने उन्हें दिया था। कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है, तिरंगा यात्रा ने इतिहास रच दिया, इसलिए वे इस तरह का वीडियो वायरल कर रहे हैं।

भजनलाल को धमकी मिलने पर भड़के गहलोत

जब सीएम ही सुरक्षित नहीं, आमजन का क्या होगा?

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और खेल सचिव ड्डस् अधिकारी नीरज के पवन को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद प्रदेश की राजनीति में घमासान मचा हुआ है। धमकी के मेल के बाद सुरक्षा एजेंसियां मामले की गंभीरता को देखते हुए अलर्ट पर हैं, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इस मुद्दे को लेकर मौजूदा सरकार पर निशाना साधा है।

यह बेहद गंभीर चिंता का विषय- गहलोत

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं ड्डस् अधिकारी नीरज के पवन को जान से मारने की धमकी हम सभी प्रदेशवासियों के लिए बेहद गंभीर चिंता का विषय है। गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को तीसरी बार ऐसी धमकी दी गई है। अब आमजन को चिंता सता रही है कि

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा एवं ड्डस् अधिकारी श्री नीरज के पवन को जान से मारने की धमकी हम सभी प्रदेशवासियों के लिए बेहद गंभीर चिंता का विषय है। जब मुख्यमंत्री जी को ही इस तरह धमकी दी जा रही है तो आम आदमी की सुरक्षा का क्या होगा। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल से हत्या, लूट, रेप, चोरी समेत तमाम अपराध लगातार बढ़ते जा रहे हैं एवं सरकार का ध्यान केवल अपराध के आंकड़े कम कर दिखाने में ही है। मुख्यमंत्री जी के ही गृह मंत्री होते हुए भी ऐसी स्थिति बनती जा रही है। राजस्थान की जनता पूछ रही है कि आखिर इस स्थिति में कब सुधार होगा?

क्या है धमकी का मामला ?

गौरतबल है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को तीसरी बार ईमेल के जरिए जान से मारने की धमकी दी गई। धमकी में स्रू स्टेडियम को बम से उड़ाने की बात भी कही गई है। वरिष्ठ ड्डस् अधिकारी नीरज के पवन को भी गंभीर जानलेवा धमकी दी गई है, जिसमें उन्हें टुकड़े कर सूटकेस में बंद करने जैसी आपत्तिजनक बातें शामिल थीं।

वहीं, धमकी में खुद को मानसिक रूप से बीमार बताते हुए पुलिस को चकमा देने की बात भी लिखी गई है। साइबर सेल और खुफिया एजेंसियां इस पूरे मामले की जांच में जुटी हैं। शुरुआती जांच में मेल जर्मनी और नीदरलैंड्स जैसे देशों के ड्डक्क आधारित ड्डक एड्रेस से भेजे गए बताए जा रहे हैं। घटना के बाद प्रशासन ने स्रू स्टेडियम और उसके आसपास सुरक्षा बढ़ा दी है, बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड तैनात हैं। लेकिन इसके बावजूद विपक्ष ने राज्य सरकार पर लचर सुरक्षा व्यवस्था और अपराधियों के मनोबल को लेकर सीधे सवाल दाग दिए हैं।

अवैध पान बूथ, थड़ियों पर होगी जल्द बड़ी कार्रवाई-रमेश चंद सैनी

जयपुर। ग्रेटर नगर निगम मुख्यालय पर गुरुवार को लाइसेंस समिति की बैठक हुई। समिति के अध्यक्ष रमेश चंद्र सैनी ने बताया कि समिति में सर्व सहमति से नगर निगम ग्रेटर क्षेत्र में नए डेयरी बूथ लगाने का प्रस्ताव पर निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत अब क्षेत्र में नए डेयरी बूथ आवंटित किए जाएंगे, संबंधित जोनों के राजस्व अधिकारियों को इसकी प्रक्रिया शुरू करने के लिए निर्देशित किया गया है। इसके अलावा पूर्व में बजट घोषणा में दिए गए डेयरी बूथों में आ रही अनियमितताओं का अगले 15 दिनों में निपटारा कर दिया जाएगा।

सैनी ने बताया कि जयपुर ग्रेटर क्षेत्र में वैध रूप से केवल 269 पान बूथ को लाइसेंस दिया गया है। लेकिन वर्तमान में पूरे जयपुर के क्षेत्र में भारी मात्रा में अवैध रूप से पान बूथ थड़ियों का संचालन हो रहा है। इनको लेकर लगातार शिकायतें मिल रही है। जिस पर समिति में निर्णय लिया गया की वृहद स्तर पर अभियान चलाकर ऐसे पान बूथ व थड़ियों को हटाया जाएगा। इसके अन्य प्रस्ताव मैरिज गार्डन ,होटल रेस्टोरेंट ट्रेड लाइसेंस ,पार्किंग स्थल व रामलीला मैदान मेला स्थान जैसे एजेंडो पर भी चर्चा की गई। समिति सदस्य कविराज सेठी ने पिछली बैठक ग्रीन कियोस्क (ऑर्गेनिक ज्यूस) के आवंटन में प्रस्ताव रखा गया, जिस पर निर्णय लेते हुए जयपुर के जवाहर सर्किल में सिटी पार्क के बाहर अब यह कियोस्क लगाए जाएंगे के संबंध में निर्णय पारित किया गया। बैठक में समिति के सदस्य राधेश्याम बोहरा, कविराज सेठी, गुरु कैलाश नारायण शर्मा, राजेन्द्र खरबास, समिति सचिव व राजस्व अधिकारी गीता करनानी, स्वास्थ्य अधिकारी रश्मि कांकरिया व सभी जोनों के राजस्व अधिकारी भी उपस्थित रहे।

स्व. श्री भैरोसिंह शेखावत मेमोरियल लाइब्रेरी का लोकार्पण- उपराष्ट्रपति और राज्यपाल ने स्व. श्री शेखावत की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए

जयपुर। उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ और राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने गुरूवार को पूर्व उपराष्ट्रपति एवं राजस्थान के मुख्यमंत्री रहे स्व. श्री भैरोंसिंह शेखावत जी की पुण्यतिथि पर विद्याधर नगर स्थित उनके स्मृति स्थल पर पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की। राज्यपाल ने कहा कि स्व. श्री शेखावत व्यक्ति नहीं, अपने आप में संवैधानिक संस्था थे।

इस अवसर पर स्व. श्री भैरोसिंह शेखावत मेमोरियल लाइब्रेरी का भी लोकार्पण हुआ। इसमें उनकी स्मृति में पुस्तकों का संग्रह किया गया है। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद श्री घनश्याम तिवाड़ी और उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी उपस्थित रहे।

जिस तुर्किये के बहिष्कार की उठ रही मांग, उसी की कंपनी संभाल रही भारतीय हवाई अड्डों के सारे अहम काम

नई दिल्ली । भारत के खिलाफ संघर्ष में तुर्किये ने पाकिस्तान की खुलकर मदद की। इसे लेकर भारत में तुर्किये के खिलाफ नाराजगी का माहौल है और तुर्किये के बहिष्कार की मांग उठ रही है। हालांकि उसी तुर्किये की एक कंपनी भारत के प्रमुख हवाई अड्डों पर उच्च सुरक्षा से जुड़े कामों का प्रबंधन करती है। तुर्किये के संयुक्त उद्यम वाली कंपनी सेलेबी एविएशन भारत के आठ प्रमुख हवाई अड्डों के प्रबंधन का काम करती है। जिन भारतीय हवाई अड्डों का प्रबंधन सेलेबी एविएशन करती है, उनमें दिल्ली, मुंबई और चेन्नई के हवाई अड्डे भी शामिल हैं। ये कंपनी भारत में सालाना 58 हजार उड़ानों का प्रबंधन करती है। जिससे भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में इस कंपनी के प्रभाव का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

उच्च सुरक्षा से जुड़े इन कामों का प्रबंधन करती है तुर्किये की कंपनी

हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग, कार्गो प्रबंधन और उड़ानों से संबंधित अन्य अहम काम सेलेबी एविएशन द्वारा ही किए जाते हैं। ये सभी काम उच्च सुरक्षा से जुड़े और बेहद संवेदनशील प्रकृति के होते हैं। हवाई अड्डों पर एयरसाइड जोन होते हैं। इन्हीं जोन में उच्च सुरक्षा संबंधी काम किए जाते हैं और यहीं का स्टाफ विमानों के सीधे संपर्क में होता है। सेलेबी एविएशन कंपनी का ही स्टाफ कार्गो लॉजिस्टिक और हवाई यात्रियों के सामान को हैंडल करता है।

पाकिस्तान के समर्थन में खुलकर आया तुर्किये

गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में जब भारत ने पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला किया। तो तुर्किये ने ही पाकिस्तान को जवाबी कार्रवाई के लिए ड्रोन्स मुहैया कराए थे। इतना ही नहीं तुर्किये ने पाकिस्तान को न सिर्फ ड्रोन्स दिए, बल्कि उन ड्रोन्स के संचालक भी उपलब्ध कराए। इस तरह कह सकते हैं कि तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ मिलकर भारत पर हमले की नाकाम कोशिश की। राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोआन के शासनकाल में तुर्किये में इस्लामी प्रभाव बढ़ा है और एर्दोगन पाकिस्तान के समर्थन में शुरू से ही रहे हैं। कश्मीर मुद्दे पर भी एर्दोआन ने पाकिस्तान का पक्ष लिया है। ऐसे में भारतीय एयरपोर्ट्स का प्रबंधन तुर्किये के कंपनी द्वारा किया जाना चिंताजनक बात है।

सालाना 58 हजार उड़ानों का करती है प्रबंधन

तुर्किये की कंपनी सेलेबी एविएशन ने साल 2008 में भारत में एंट्री की थी। सबसे पहले इसने मुंबई हवाई अड्डे पर ग्राउंड हैंडलिंग का काम किया। उसके बाद से इस कंपनी ने भारत के नागरिक उड्डयन क्षेत्र में लगातार अपनी मौजूदगी को मजबूत किया है। अब यह कंपनी भारत में 58 हजार से ज्यादा उड़ानों और 5,40,000 टन कार्गो हैंडल करती है। कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, इसके 7800 कर्मचारी हैं। सेलेबी एविएशन भारत में दो कंपनियों के तहत संचालित होती है, जिनमें सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया और सेलेबी दिल्ली कार्गो टर्मिनल मैनेजमेंट इंडिया शामिल है। यह कंपनी दिल्ली, मुंबई, कोचीन, कुन्नूर, बंगलूरू, हैदराबाद, गोवा, अहमदाबाद और चेन्नई के एयरपोर्ट का प्रबंधन करती है। तुर्किये के बहिष्कार की मांग के बीच सेलेबी एविएशन का विरोध भी शुरू हो गया है।

जेडीए की भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की बैठक

विभिन्न योजनाओं के लिए भूमि आवंटन के महत्वपूर्ण निर्णय

जयपुर। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी की अध्यक्षता में भूमि एवं संपत्ति निस्तारण समिति की 210वीं बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न प्रकरणों पर विचार-विमर्श कर भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया।बैठक बजट घोषणा 2024-25 के बिन्दु संख्या 154 ''प्रदेष की अर्थव्यवस्था में खनिजो के रिसर्च एण्ड डवलपमेन्ट इन्टप्रेटेषन एवं कोपेसिटी बिल्डिंग हेतु जयपुर में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एण्ड मिनरल्स स्थापित किये जाने हेतु 3016.00 वर्गमीटर भूमि आवंटन किये जाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण शाखा कार्यालय जयपुर के लिये 1860.60 वर्गमीटर भूमि आवंटन किये जाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में विभिन्न मेडल धारक (औलम्पिक/पेरा औलम्पिक में पदक, एषियाड/ कॉमन वैल्थ में पदक), राष्ट्रपति अवार्डीयों को राजस्थान अरबन डिस्पोजल रूल्स 1974 के नियम 17 ए के तहत जविप्रा की गोविन्द विहार आवासीय योजना में 216 वर्गमीटर क्षेत्रफल के उपलब्ध आवासीय भूखण्डों में लाटरी के माध्यम से भूखण्ड आवंटित करने का निर्णय लिया गया।

ग्राम बड़ी का खेड़ा तहसील सांगानेर के खसरा नम्बर 35 रकबा 3.20 हैक्टेयर में से 1.41 हैक्टेयर खसरा नं. 64 रकबा 0.35 हैक्टैयर में से 0.30 हैक्टेयर व खसरा नम्बर

65 रकबा 0.29 हैक्टेयर कुल रकबा 1.00 हैक्टेयर भूमि एन्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स हेतु आवंटन करने का निर्णय लिया गया।

बजट घोषणा 2024-25 में अधिक्षण अभियन्ता (टी एण्ड सी ग्रामीण), राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड, जयपुर को 132 के वी कानोता विद्युत ग्रिड सब स्टेषन निर्माण हेतु राजस्व ग्राम- हरचन्दपुरा उर्फ बाल्यावाला, तहसील बस्सी के खसरा नम्बर 171/3 रकबा 32.1815 हैक्टेयर (नवीन खसरा नम्बर 213/171 रकबा 14.0965 हैक्टेयर) किस्म चारागाह, बारानी- 2, बंजड़-2 में से 2.50 हैक्टेयर भूमि आवंटन करने का निर्णय लिया गया।

ग्राम चन्दलाई तह. चाकसू के खसरा नं. 6751/5880 रकबा 1.24 हैक्टे. किस्म बॅजड़- 2, खसरा नं. 5881 रकबा 2.51 हैक्टे. किस्म चारागाह, 5882 रकबा 6.51 है. किस्म चारागाह कुल किता 3 कुल रकबा 10.26 है. में से 4.00 है. भूमि सांगानेर विधानसभा के बम्बाला क्षेत्र में सीवरेज सुविधा उपलब्ध करवाने हेतु 78 एमएलडी एसटीपी प्लांट हेतु आरक्षित किये जाने का निर्णय लिया गया।

जविप्रा स्वामित्व की भूमि ग्राम चन्दलाई तह. चाकसू के खसरा नं. 4222 रकबा 1.83 है0 में से 4000 व.मी. भूमि (जोनल प्लान की प्रस्तावित 30 मीटर सड़क पर) महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम), राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चन्दलाई, चाकसू, जयपुर के भवन निर्माण हेतु आवंटन किये जाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में जेडीए सचिव, निदेशक अभियांत्रिकी द्वितीय, निदेशक वित्त, निदेशक आयोजना, अतिरिक्त आयुक्त एलपीसी एवं प्रशासन, संबंधित जोन उपायुक्त एवं अधिकारीगण उपस्थित ?

चांदी के कड़े के लिए भाइयों की शर्मनाक हरकत, मां की चिता के पास मचा बवाल

जयपुर। स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की गहन जांच हो और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि भविष्य में कोई इस तरह की हरकत करने की हिम्मत न करे। इंसानियत को शर्मसार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना शाहपुरा थाना क्षेत्र के लीला का बास गांव से सामने आई है। जहां लालच ने रिश्तों की सारी सीमाएं पार कर दीं। यहां कलयुगी बेटों ने अपनी ही मां की चिता के पास चांदी के कड़े को लेकर आपस में ऐसा झगड़ा किया कि देखने वालों की रूह कांप गई।

जानकारी के मुताबिक, गांव की एक बुजुर्ग महिला का अंतिम संस्कार किया जा रहा था। इस दुखद मौके पर पूरे परिवार को एकजुट होकर मां को अंतिम विदाई देनी चाहिए थी, लेकिन बेटों की नजर मां के चांदी के कड़े पर थी। चिता के पास ही बेटे कड़े को लेकर भिड़ गए। मां की लाश वहीं पड़ी रही और बेटों के बीच छीना-झपटी चलती रही। इस शर्मनाक घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कैसे मां के शव के पास खड़े होकर बेटे आपस में गाली-गलौज और हाथापाई कर रहे हैं। यह दृश्य देख हर कोई स्तब्ध है और समाज में गिरते नैतिक मूल्यों पर सवाल उठा रहा है स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है।

शांति और धैर्य से देश हमेशा आगे बढ़ेगा

अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है।

(लेखक-संजय गोस्वामी)

ऑपरेशन सिंदूर मे भारत के प्रधानमंत्री जी का संदेश सुना और बताया कि आतंकवादी व पिओके पर ही पाकिस्तान पर बात होगी और भारतीय सेनानी को इसका श्रेय जाता है बहुत ही अच्छा संदेश राष्ट्र के नाम और कल होकर सैनिकों से मिलना भी भारत के शानदार सफलता का प्रतिक है इसमें भारत के वैज्ञानिकों का भी कहीं ना कहीं उनकी टेक्नोलॉजी के ऊपर भी गर्व है जिसमें इसरो डीआरडीओ,डीएई आदि जैसे श्रेष्ठ वैज्ञानिक संस्थान भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है भारत ने जो ऑपरेशन सिंदूर पाकिस्तान में फैले आतंकवादी के लिए किया और भारतीय सेनाओं की मेहनत और लोगो की एकजुटता थी इस सन्दर्भ में एल ओसी पर 50निर्दोष लोग भी मारे गए है पाकिस्तान को चाहिए था ऑपरेशन सिंदूर के बाद शांति से बैठना चाहिए क्योंकि ऐ आतंकवादी पर अटैक था पाकिस्तान पर नहीं लेकिन जबाबी कार्यवाही में उसे नुकसान उठाना पड़ा है लेकिन यह खबर सही नहीं है कि उनके परमाणु सयंत्र पर कोई अटैक हुआ हो ऐ सब न्यूज़ में बेकार की खबरें हैं इसलिए इस मुद्दे पर कुछ भी कहना सही नहीं है क्योंकि जब भी दो देश परमाणु संपन्न रहते हैं तो वो एक से दूसरे देश पर प्रतिस्ठानो की सूची देते हैं और एक एग्रीमेंट होता है कि एक देश दूसरे देश पर परमाणु सयन्त्र पर हमला नहीं करेंगे सोशल मीडिया को इस खबर से बचना चाहिए इसको रोकना चाहिए मीडिया को अब शांति से काम लेना चाहिए क्योंकि जो भी परमाणु सयंत्र होता है वो ऐसा बनाया जाता है कि उसमें भूकंप होने पर भी कोई असर ना हो और जहाँ तक रेडियोएक्टिव रिसाव की बात है वो तो हवा में जायेगा अतः ऐ बाद में आस पास के कहीं भी जगह फैल सकता है इसपर आई ए ई ए की कड़ी निगरानी रहती है और जहाँ परमाणु प्लांट रहता है वहाँ अलार्म सिस्टम भी होता है जो हो गया सो हो गया एक दूसरे पर वार और हार पर शांत रहना चाहिए सेना पर विश्वास रखना चाहिए धर्म के नाम पर बहुत से देश इसका समर्थन कर दे देते हैं हमारे सभी धर्मों के लोग भारत के समर्थन में रहें और देश की एकता से ही सबों में भय दूर होगा और एक ही धर्म है भारतवासी अपने मात्रभूमि के लिए लड़ना और मरना, अतः संयम और शांति से देश की प्रगति में सभी योगदान दें विज्ञान की प्रगति के साथ विश्वभर में चारों ओर विकास ने नई करवट ली है। देश के पास परमाणु अस्त्रओं का भंडार है ऐ आपकी सुरक्षा के लिए जरुरी है लेकिन जब तब कोई देश ने आप पर परमाणु हमला करता तब एटम बम के विस्फोट से रेडिशन फ़ैल जाएगा और इसका खामियाजा उन देशों को रेडीएशन की मार से कैंसर, शारीरिक विकृति के शिकार हो सकते हैं इससे सिर्फ आस पास के देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व वैश्विक तापन की मार झेल सकता है क्योंकि परमाणु अस्त्र के विस्फोट से ओजोन परत इस कदर से नाश होगा कि पूरा विश्व ही ग्लोबल वार्मिंग के प्रभाव से प्रभावित होगा.इस पर चिंतन करने की आवश्यकता है आज सारे देश में हथियार खरीदने की होड़ लगी है इसे रोकना चाहिएएइस कारण नित्य नये-नये घातक अस्त्रा-शस्त्रों का निर्माण हो रहा है जो कभी भी विनाश के कारण बन सकते हैं। अस्त्रा-शस्त्रों की बढ़ती प्रतिस्पर्धा के कारण सम्पूर्ण विश्व चिंतन के सागर में डूबा हुआ है। इससे बचने के लिये सभी देश, जो स्वयं अपनी सुरक्षा के लिये चिंतित होने पर भी अस्त्रा-शस्त्रा के भंडारण में जुटे हुए होने के बाद भी विश्व शान्ति के लिये निःशस्त्रीकरण का राग अलापते थकनहीं रहे हैं।विध्वंशकारी अस्त्र-शस्त्रों से विनाश की स्थिति को जानते हुए भी कई देशों ने एक-दूसरे देश पर आक्रमण कर विनाश लीला का खुला तांडव खेला है। जिसके दुष्परिणामों ने असंख्य इन्सानों की जान ली है। वहाँ अनगिनत देश की समृद्धि की झलक दिखाने वाले निर्माण कार्यों को विध्वंश कर दिया है। चारों ओर तबाही मचाने में किसी प्रकार की कमी नहीं रखी है। विकास को विनाश में बदल दिया है। इस आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये सभी अपने देश में शान्ति, खुशहाली, समृद्धि के पक्ष में निःशस्त्रीकरण की फिराक में रहते हैं और इसके लिए सभी देशों का जन समर्थन जुटाने में कटिबद्ध हैं। क्योंकि सभी को विनाश का खतरा सामने दिखाई देता है। आज दुनिया परमाणु युद्ध की तरफ बढ़ रहा है इसके परिणाम हम सभी जानते हैं 76 साल पहले 6 अगस्त 1945 को अमेरिका ने जापान के हिरोशिमा शहर पर दुनिया का पहला परमाणु बम हमला किया था. इसके तीन दिन बाद जापान के ही नागासाकी शहर पर दूसरा परमाणु बम गिराया गया. दोनों शहर लगभग पूरी तरह तबाह हो गए. डेढ लाख से अधिक लोगों की पल भर में जान चली गई और जो बच गए वो अपंग हो गए और आज भी जो बच्चे जन्म लेते हैं वे अपंगता के शिकार होते हैं क्योंकि रेडिएशन का खतरा 100वर्षों या इससे भी अधिक रहता हैव जिसकी मार मासूम लोगों को भुगतना पड़ता हैए इसके लिये सभी देशों को निर्दोष इन्सानों की रक्षा हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण का संकल्प लेने पर जोर दिया है ताकि कभी भी किसी देश पर आक्रमण करने की स्थिति ही नहीं बने। विश्व में अस्त्र-शस्त्रों की होड़ ही आक्रमणकारी बनाने का माध्यम बनती है। वहाँ इन्सान भी आवेश, आक्रोश,गुस्से, बदले की भावना, किसी को प्रताड़ित करने के उद्देश्य से, किसी का तिरस्कार करने, किसी को दंडित करने के लिये आक्रामक रुख अपनाते हुए आक्रमणकारी होता है तो उसके सामने, सामने वाले के विनाश के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। आक्रमणकारी की चाह रहती है कि वह जो आक्रमण कर रहा है वह विफल न हो जावे व परमाणु बम के हमला की आशंका बढ़ जाती है । इस कारण इन्सान-इन्सान में घृणा, द्वेषभाव, ईर्ष्या, दुश्मनी आदि उत्पन्न होती है जो इन्सानों की सुख-शांति, अमनचैन छीनती है। ऐसी आक्रमणकारी नीति से बचने के लिये और विश्व में शान्ति स्थापित करने हेतु परमाणु निःशस्त्रीकरण पर अधिक बल देना चाहिए। इसी सुख-शान्ति अमन-चैन के साथ एक-दूसरे के प्रति भाईचारे के भाव बनाने के लिए इन्सान को अन्य किसी इन्सान पर आक्रमणकारी नहीं बल्कि सहयोगी बन कर रहने में ही भलाई है। इससे आक्रमणकारी को भी शांति और संतोष मिलता है। बुरे विचार इसके दिल और दिमाग से हट जाते हैं। ऐसी मानसिक शांति पाने के लिये आक्रमणकारी नहीं बनने की सीख आचार्य तुलसी ने देश की आजादी के बाद मानवता आंदोलन चलाकर विश्व को एक नई दिशा दी। मानवता के आधार पर इन्सान यह सोचे कि मैं आक्रमणकारी नहीं बनूं और न ही सहयोग दूंगा। इस दृढ़ संकल्प द्वारा वह शांति का शंखनाद करने में कदापि पीछे नहीं रहेगा। वर्तमान में इसकी महती आवश्यकता है। इसी प्रकार एक-दूसरे देश पर आक्रमण करता है तब अन्य देश आपस में लड़ने वाले किसी एक देश की आक्रामक नीति में भागीदार बनता है, उसे ममदद देता है, सहयोगी के रूप से दुश्मन समझने वाले देश से युद्ध करता है तब वहाँ सर्वत्रा विनाश ही विनाश होने की संभावना बढ़ती है। ऐसी विषम स्थिति में विश्व शांति को कभी भी खतरा उत्पन्न हो सकता है। विनाश की इस स्थिति से अपने को दूर रखने के लिए आक्रामक देश को समर्थन सहयोग नहीं देने का संकल्प अणुव्रतों को आधार मानकर किया जाय तो विश्व शांति की स्थिति बन सकती है और इन्सानों को अकाल मृत्यु, बेमौत मरने से बचाया जा सकता है। वहाँ परिवार और समाज में स्नेह, आत्मीयता,भाईचारे की भावना के साथ सहयोग एवं सहानुभूति कर संकल्प लिया जाय तो इन्सान का जीवन स्वर्गमय बन सकता है। ऐसे इन्सान को सुख, चैन, शान्ति से जीवनयापन करने से कोई रोक नहीं सकता।निःशस्त्रीकरण आज की मांग है। इस बात की आवश्यकता है कि उचित निदान द्वारा विश्वजनित मतभेदों को भुलाकर अशांति का माहौल खत्म किया जाए। अतः अब शांति व धैर्य से ही देश में खुशहाली होगी हमें दूसरे देश पर निर्भरता कम करनी चाहिए क्योंकि हमारे देश में टैलेंटेड लोगो की कमी नहीं है.अतः अब सचेत होकर अपने आप को विश्व पटल पर रक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ना है और अब शांति से काम करने की जरुरत है क्योंकि देश की तरक्की हमेशा आतंकमुक्त होकर तकनिकी विकास से ही आगे बढ़ेगा.प्रधानमंत्री जी ने अपने संदेश में जो कहा की बुद्ध की तरह शांति भी चाहिए लेकिन आतंकवादी से निपटने के लिए युद्ध भी चाहिए अतः ऐ संदेश देशहित में है और देश ही सर्वोपरि है।

संपादकीय

चीन के मंसूबे

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाक को सबक सिखाया है, चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करता नजर आ रहा है। चीन-पाक की दुरभिसंधि दशकों पुरानी है लेकिन उसकी हालिया करतूतों की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। वह न केवल पाकिस्तान की सैन्य व आर्थिक मदद ही कर रहा है बल्कि चीनी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ा नजर आ रहा है। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। जैसा कि उम्मीद भी थी, भारत सरकार ने चीन के इन बेतुके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। नई दिल्ली ने बीजिंग के इस बेतुके-निराधार दावे को सिरे से नकार दिया है। भारत सरकार ने फिर से दोहराया है कि 'अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और हमेशा रहेगा।' दरअसल, चिंता की बात यह है कि चीन ने यह करतूत ऐसे समय में की है जब पहलगाम हमले और उसके जवाब में सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते भारत-पाक के बीच तनाव कायम है। निश्चय ही इन स्थितियों में चीन का यह भड़काऊ कदम है। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय उपमहाद्वीप में हाल ही में हुई उथल-पुथल के दौरान पाकिस्तान को उसके सदाबहार दोस्त बीजिंग का भरपूर समर्थन मिला है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। भले ही वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा करता हो। निस्संदेह, ऐसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। बीते वर्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्यंग्यात्मक लहजे में एक सवाल पूछा था, 'अगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वो मेरा हो जाएगा?' लेकिन निर्विवाद रूप से चीन ने विदेश मंत्री के इस संदेश को नजरअंदाज ही किया है। इतना ही नहीं वह फिर से भौगोलिक क्षेत्रों के नामों के मनमाने मानकीकरण के साथ आगे बढ़ गया है। लेकिन सवाल इस करतूत के समय का है। जाहिर बात है कि बीजिंग ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। उस पाकिस्तान को, जिसे प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कड़ी चेतावनी दी थी। प्रधानमंत्री ने सिर्फ और सिर्फ पाकिस्तान द्वारा कब्जाए कश्मीर पर ही बातचीत करने की बात कही थी। ऐसे में चीन ने अरुणाचल पर अपने क्षेत्रीय दावे से फिर से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया। यह जानते हुए भी उसके दावे निराधार हैं। वहीं दूसरी ओर मोदी सरकार ने चीन के सरकारी मीडिया, खासकर ग्लोबल टाइम्स द्वारा कथित तौर पर फैलाए जा रहे पाकिस्तानी दुष्प्रचार के मामले को गंभीरता ले लिया है।

डेंगू में लापरवाही जिंदगी पर पड़ सकती है भारी

(लेखिका- श्वेता गोयल/)

(राष्ट्रीय डेंगू दिवस (16 मई) पर विशेष)

डेंगू एक ऐसी गंभीर बीमारी है, जिसके चलते हर साल काफी संख्या में लोगों की मौत हो जाती है। अब लगभग हर साल देश के विभिन्न राज्यों के अनेक इलाके डेंगू और वायरल बुखार के कोप से त्राहि-त्राहि करते नजर आते हैं और हम इस बेबसी पर केवल आंसू ही बहाते रह जाते हैं। इसीलिए स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रतिवर्ष लोगों में डेंगू को लेकर जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से 16 मई को 'राष्ट्रीय डेंगू दिवस' मनाया जाता है। डेंगू के लगातार सामने आते मामलों को देखते हुए डेंगू से बचाव को लेकर अत्यधिक सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि अभी तक इसकी कोई वेक्सीन नहीं बनी है, इसलिए डेंगू से बचाव के उपाय ही सबसे अहम हैं। मानसून के साथ डेंगू और चिकनगुनिया फैलाने वाले मच्छरों के पनपने का मौसम शुरू होता है, इसीलिए इस बीमारी को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने के लिए सरकार द्वारा इसके लिए 16 मई का दिन निर्धारित किया गया। डेंगू नामक बीमारी कितनी भयावह हो सकती है, उसका अनुमान इसी पहलू से आसानी से लगाया जा सकता है कि समय से उपचार नहीं मिलने के कारण डेंगू पीड़ित व्यक्ति की मौत भी हो जाती है। पिछले साल देश के विभिन्न राज्यों और विशेषकर उत्तर प्रदेश में डेंगू से पीड़ित हुए कई मरीजों की मौत के आंकड़े इसकी पुष्टि भी करते हैं। वैसे देश में डेंगू का जो प्रकोप देखा जाता रहा है, वह कोई नई बात नहीं है बल्कि प्रतिवर्ष मानूसन के दौरान और उसकी विदाई के बीच डेंगू और मच्छर जनित बीमारियों का बोलबाला बहुत ही सामान्य सी बात है। इसके बावजूद हर साल की वही कहानी और डेंगू के कारण होती सैंकड़ों मौतों के आंकड़े शासन-प्रशासन से लेकर सामुदायिक स्तर पर होती लापरवाही को ही स्पष्ट परिलक्षित करते रहे हैं। चिंता की बात यह है कि अब डेंगू के मामले केवल मौसम विशेष तक ही सीमित नहीं रहमे बल्कि सालभर डेंगू के मामले सामने आते रहते हैं।

तमाम दूसरी बीमारियों की ही तरह डेंगू से बचाव का भी सबसे आसान और कारगर उपाय यही है कि उसकी चपेट में ही न आया जाए और इसके लिए अपेक्षित सावधानियां बरती जाएं। चूंकि डेंगू मच्छरों के कारण फैलता है और मच्छर प्रायः गंदगी और ठहरे हुए पानी में पनपते हैं, इसलिए सबसे जरूरी तो यही है कि डेंगू से बचने के लिए अपने आसपास स्वच्छता का पर्याप्त ध्यान रखा जाए। फिर भी यदि कोई व्यक्ति इस बीमारी की जद में आ जाए तो उसे बिना देर किए अपना उपचार शुरू कर देना चाहिए। यदि समय से सही इलाज नहीं मिले तो डेंगू अमूमन चार-पांच दिनों में ही गंभीर रूप धारण कर लेता है। हालांकि कई बार कुछ मरीजों में यह देखने को भी मिलता है कि डेंगू से पीड़ित व्यक्ति को बुखार आना बंद हो जाता है और ऐसी स्थिति में मरीज और उसके परिजनों को यही लगता है कि मरीज डेंगू से उबर गया है लेकिन ऐसे अधिकांश मामलों में लापरवाही मरीज की जान पर भारी पड़ जाती है।

किसी भी व्यक्ति में डेंगू के शुरूआती लक्षण उभरने के बाद ऐसी विकट परिस्थितियों से सामना न हो, उसके लिए जरूरी है कि लोगों को डेंगू से बचाव के लिए जागरूक करने पर विशेष जोर दिया जाए। दरअसल जानलेवा डेंगू से बचने के लिए सावधानियां और सतर्कता बरता जाना बेहद जरूरी है। डेंगू हो या मच्छर जनित अन्य बीमारियां, उनसे बचने के लिए अपने आसपास के स्थान की समुचित साफ-सफाई करने को अपनी आदतों का हिस्सा बना लेना अत्यंत आवश्यक है। दरअसल अमूमन देखा जाता है कि लोग अपने घरों की साफ-सफाई तो कर लेते हैं किन्तु अपने आस-पड़ोस की उन्हें कोई फिक्र नहीं होती। इस स्तर पर बरती जाने वाली लापरवाही प्रायः बहुत भारी

पड़ती है। यदि किसी व्यक्ति को डेंगू हो भी जाए तो सबसे जरूरी है उसकी डाइट पर विशेष ध्यान दिया जाए और उसके इम्यून सिस्टम को सही रखने का भी प्रयास किया जाए। डेंगू के मरीज को संतुलित और पौष्टिक आहार ही दिया जाना चाहिए।

डेंगू के उपचार में बहुत से लोग घरेलू नुस्खों का भी सहारा लेते हैं और इन नुस्खों में तुलसी का उपयोग बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसके अलावा डेंगू हो जाने पर घरेलू नुस्खों में नारियल पानी एक अच्छा विकल्प है, जिसे शरीर में रक्त कोशिकाओं की कमी को पूरा करने में मददगार माना जाता है। दरअसल नारियल पानी में काफी मात्रा में इलैक्ट्रोलाइट्स के अलावा बहुत सारे खनिज पदार्थ भी होते हैं। डेंगू के उपचार में विटामिन सी से भरपूर वस्तुओं का उपयोग भी बहुत लाभकारी माना गया है, जो शरीर के रोग प्रतिरोधी तंत्र को मजबूत बनाए रखती हैं। इसलिए डेंगू हो जाने पर विटामिन सी से भरपूर फलों का सेवन करना लाभकारी है। बहरहाल, यदि इसके बावजूद मरीज की स्थिति में कोई सुधार नजर नहीं आए या परेशानियां बढ़ती दिखें तो तुरंत अपने चिकित्सक या नजदीकी अस्पताल से सम्पर्क करना चाहिए क्योंकि डेंगू के इलाज में लापरवाही मरीज की जिंदगी पर बहुत भारी पड़ सकती है।

(लेखिका डेढ़ दशक से शिक्षण क्षेत्र से जुड़ी हैं)

(चिंतन-मनन)

पत्थर की पूजा

चिंतन मनन

संत नामदेव के जीवन से जुड़ी यह चर्चित कथा है। उनके पिता दामाशेट दर्जी थे। वह चाहते थे कि नामदेव उनका कारोबार आगे बढ़ाएं पर नामदेव तो दिन भर मंदिर में कीर्तन करते रहते थे। इससे दामाशेट दुखी रहते थे। एक दिन उन्होंने नामदेव को कपड़ों का एक गट्ठर सौंप दिया और कहा कि इसे वह बाजार में बेच आएं। नामदेव बाजार पहुंचे। वहां गट्ठर सामने रख विट्ठल के ध्यान में मग्न हो गए। सभी की कमाई हुई, पर नामदेव खाली ही रहे। वहीं पास में खेत में कुछ पत्थर पड़े थे। उन्होंने पत्थरों को कपड़ों से ढक दिया और एक बड़े पत्थर से कहा कि आठ दिन बाद फिर आऊंगा, पैसे दे देना, ताकि पिता को हिसाब दे सपूं। पिता ने पूछा तो कहा कि आठ दिन बाद पैसे मिलेंगे। आठ दिन बाद नामदेव उस बड़े पत्थर के पास गए। पैसे मांगने लगे। पर वह कहां से देता! उन्होंने गुस्से में उसे उठाया और पंढरपुर के विट्ठल मंदिर ले आए। बोले- यहीं बापू को जवाब दे देना। दामाशेट बौखला रहे थे- कपड़ों के बदले पत्थर! नजदीक आकर देखा तो वह पूरा पत्थर सोने का हो गया था। यह समाचार सब ओर फैल गया।

स किसान के खेत का पत्थर था, वह आकर सोने का पत्थर मांगने लगा। नामदेव ने अपने कपड़े के पैसे मांगे व पत्थर उसे दे दिया। घर जाकर किसान ने देखा कि वह तो फिर पत्थर बन गया। वह गुस्से में नामदेव जी के घर वह पत्थर रख गया। आज भी उस पत्थर की पूजा नामदेव के मंदिर में होती है।

विचार मंथन

पहलगाम हमले में टीआरएफ के साथ पाकिस्तानी हाथ

(लेखक-डॉ हिदायत अहमद खान)

यह तो सभी मानेंगे ही कि किसी को बड़ा अपराधी बनाने में किसी न किसी बड़ व्यक्ति या संगठन का हाथ होता है, ठीक वैसे ही जैसे कि आतंकवार को पालने और पोसने में पाकिस्तान का बहुत बड़ा हाथ सदा से रहा है। इस बात को खुद पाकिस्तान के नेताओं ने समय-समय पर माना है, लेकिन इसका हल निकाल पाने में सभी नाकाम साबित हुए हैं। खासतौर पर तब जबकि पाकिस्तानी आवाम खुद भी इस आतंकवाद से परेशान है, सरकार और सेना मिलकर कोई हल क्यों नहीं निकाल पा रही हैं, बड़ा सवाल है। पाकिस्तान के लिए भी ये आस्तीन के सांप ही साबित होते आए हैं, बावजूद इसके एक सियासी जमात इन्हें पालने और बढ़ाने में अपनी पूरी ताकत झोंकती आई है। इसका खामियाजा पड़ोसी मुल्कों को भी उठाना पड़ता है। इसी के चलते बीते माह 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के खूबसूरत पर्यटन स्थल पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने देश ही नहीं दुनियां को झकझोर कर रख दिया। आतंकियों के इस कायराना हमले में दो दर्जन से ज्यादा निर्दोष पर्यटकों की जान चली गई और कई अन्य घायल हो गए। शुरुआती जांच में ही इस आतंकी घटना के तार पाकिस्तान और लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रसिस्टेन्स फ्रंट (टीआरएफ) से जुड़ते दिखे। पहले टीआरएफ ने इस हमले की जिम्मेदारी सीना ठोंक कर ले भी ली थी। जब अंतर्राष्ट्रीय दबाव पड़ा और पाकिस्तान को भारतीय जवाब की सूझ आई तो टीआरएफ ने बयान बदल दिया और जिम्मेदारी लेने से साफ इंकार कर दिया। अब भारत ने इस आतंकी हमले से संबंधित पुख्ता सबूत संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में पेश कर दिए हैं, जिससे टीआरएफ और इसके संरक्षक पाकिस्तान की साजिश बेनकाब होती दिखी है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र आतंकवाद रोधी कार्यालय और काउंटर टेररिज्म कमेटी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टोरेट (सीटीईडी) के समक्ष विस्तार से जानकारी पेश की है। भारत का साफ कहना है कि पहलगाम में जो आतंकी हमला हुआ, वह टीआरएफ द्वारा लश्कर-ए-तैयबा के निर्देश पर किया गया, और इसके पीछे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की रणनीति थी। भारतीय अधिकारियों ने यूएन की 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम को भी टीआरएफ की गतिविधियों से अवगत कराया और टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित करने की मांग रखी है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि टीआरएफ का बयान और फिर उससे पलटना पाकिस्तान के दबाव में किया गया ताकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाक सरकार की छवि को नुकसान न पहुंचे। टीआरएफ, लश्कर-ए-तैयबा का ही नया चेहरा है, जिसे एफएटीएफ और अन्य अंतरराष्ट्रीय निगरान एजेंसियों की निगाह से बचाने के लिए एक 'लो-प्रोफाइल' आतंकी ब्रांड के रूप में पेश किया गया है। लेकिन भारत ने इन दो संगठनों की कड़ी साठगांठ के सबूत यूएन के सामने रखे हैं। इसी बीच भारत ने यह भी रेखांकित किया कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक एकजुटता आवश्यक है। यदि टीआरएफ जैसे आतंकी संगठनों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध सूची में शामिल नहीं किया जाता है तो आतंकवादियों को बल मिलता रहेगा और निर्दोष लोगों की जान यूं ही जाती रहेगी। भारत का यह कदम पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने की दिशा में एक निर्णायक प्रयास है। भारत द्वारा दिए गए डिजिटल, कॉल रिकॉर्ड, फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन और इंटेलिजेंस इनपुट्स के आधार पर माना जा रहा है कि यूएन टीआरएफ को प्रतिबंधित आतंकी संगठन घोषित करने की प्रक्रिया जल्द शुरू कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो टीआरएफ से जुड़े फंड, हथियार आपूर्ति और सीमा पार नेटवर्क पर करारा प्रहार हो सकेगा। भारत लंबे समय से यह प्रयास कर रहा है कि पाकिस्तान की छद्म युद्ध नीति, जो वह लश्कर और जैश जैसे संगठनों के जरिए चलाता है, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उजागर हो। पहलगाम हमले के बाद भारत की ओर से की गई यह कूटनीतिक कार्रवाई इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस घटनाक्रम से यह भी स्पष्ट होता है कि अब भारत आतंकी हमलों के प्रति केवल सीमित जवाब देने की नीति से आगे बढ़ चुका है। अब कूटनीतिक, अंतरराष्ट्रीय मंचों और आर्थिक प्रतिबंधों के माध्यम से भारत पाकिस्तान और उसके पाले हुए आतंकी संगठनों को घेरने की रणनीति पर चल रहा है। यदि संयुक्त राष्ट्र टीआरएफ को आतंकी संगठन घोषित करता है, तो यह न केवल भारत के लिए एक बड़ी जीत होगी, बल्कि वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक मोड़ भी साबित होगी।

टाटा पावर की 25,000 करोड़ के निवेश की योजना

नई दिल्ली।

टाटा पावर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि कंपनी वित्त वर्ष 2025-26 में 25,000 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय की योजना बना रही है। कंपनी ने उत्तर प्रदेश में दो वितरण कंपनियों के लिए बोली लगाने की भी इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि कंपनी परमाणु परियोजनाओं के मामले में कानूनी बदलावों का इंतजार कर रही है और यह उसी के अनुरूप कदम उठाएगी। सिन्हा ने बताया कि कंपनी का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष में 25 प्रतिशत बढ़कर 1,306.09 करोड़ रुपये रहा है। उत्पादन, पारेषण और वितरण, और नवीकरणीय ऊर्जा सहित प्रमुख कारोबार क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कंपनी की पूंजीगत व्यय योजनाओं के बारे में बताते हुए कहा` कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए पूंजीगत व्यय 25,000 करोड़ रुपये है। इसमें से 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा, 20 प्रतिशत उत्पादन, और 30 प्रतिशत पारेषण और वितरण क्षेत्रों के लिए है।

सैट ने जेनसोल को दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने की मंजूरी दी

नई दिल्ली।

जेनसोल इंजीनियरिंग ने साझा बाजार को सूचित किया कि प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) ने उसे बाजार नियामक सेबी के अंतरिम आदेश पर जवाब दाखिल करने की अनुमति दे दी है। यह आदेश कंपनी और उसके प्रवर्तकों को प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित कर दिया था। पिछले महीने सेबी ने जेनसोल इंजीनियरिंग और उसके प्रवर्तकों को अगले आदेश तक प्रतिबंधित कर दिया था। इसके पीछे की वजह थी कंपनी के कोष को दूसरी जगह भेजने और संचालन से जुड़ी खामियों के मामले। जेनसोल इंजीनियरिंग ने आदेश के खिलाफ अपील दाखिल की थी, जिसका निपटारा सैट ने कर दिया है। सेबी ने उसे दो सप्ताह का समय दिया है अपना जवाब दाखिल करने के लिए। कंपनी ने बताया कि वह सेबी के आदेश का जवाब तैयार करने के लिए अपने कानूनी सलाहकारों और वकील से सहायता मांग रही है। सेबी ने अपने आदेश में कोई टिप्पणी नहीं की है। जेनसोल इंजीनियरिंग के मुख्य ने आदेश की खुलासे में देरी का कारण अनुपालन अधिकारी के पद रिक्त होने और कंपनी में कमी के थे।

केपीआईएल को मिले बिजली, भवन क्षेत्र में 2,372 करोड़ के ठेके

नई दिल्ली। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) ने अपनी अनुषंगी कंपनियों के साथ मिलकर एक बड़ी कारोबारी उपलब्धि हासिल की है, जिसमें उन्हें भारत और विदेशी बाजारों में विद्युत पारेषण एवं वितरण क्षेत्र में 2,372 करोड़ रुपये के नए ठेके मिले हैं। कंपनी के सीईओ ने इस मौके पर कहा कि यह ढेर सारे नए ठेके हमें भारत, नॉर्डिक्स और पश्चिम एशिया के तेजी से बढ़ते ईपीसी क्षेत्रों में अपनी बाजार स्थिति को बेहतर बनाने में मदद करेंगे। केपीआईएल वर्तमान में 30 से अधिक देशों में परियोजनाएं क्रियान्वित कर रही है और इसकी वैश्विक स्तर पर 75 देशों में उपस्थिति है, जो कंपनी के मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड की गरिमा को बढ़ाता है। कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल के उद्यमिता और क्रियाशीलता से इस नए मंजिल को हासिल करने में मदद की गई जानकारी देने के लिए तर्कसंगत है। वे इस सफलता को एक अभिनंदन के रूप में स्वीकारते हैं और भविष्य में और भी उच्च स्तर की ऊँचाई प्राप्त करने के लिए प्रेरित करते हैं।

1 लाख से अधिक शेयरधारकों के साथ 'एनएसई' भारत की सबसे बड़ी गैर-सूचीबद्ध कंपनी बनी

मुंबई।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। लेटेस्ट इंडस्ट्री डेटा के अनुसार, एनएसई 1,00,000 से अधिक शेयरधारकों के साथ भारत की सबसे बड़ी गैर-सूचीबद्ध कंपनी बन गई है। इस उपलब्धि के साथ एनएसई देश की चुनिंदा कंपनियों में एक बन गई है, जिनमें निवेशकों की संख्या इतनी अधिक है। इसी के साथ एनएसई की यह उपलब्धि और भी महत्वपूर्ण बन जाती है क्योंकि भारत में बहुत कम लिस्टेड कंपनियां शेयरहोल्डर बेस को लेकर इस उपलब्धि को हासिल कर पाई हैं। शेयरधारकों की संख्या में प्रभावशाली वृद्धि एक्सचेंज में निवेशकों की मजबूत रुचि को दर्शाती है, जो देश के फाइनेंशियल इकोसिस्टम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एनएसई ने भारत के प्रतिभूति बाजार में अपनी महत्वपूर्ण स्थिति के कारण लगातार ध्यान आकर्षित किया है, जो इक्विटी, डेरिवेटिव और अन्य फाइनेंशियल प्रोडक्ट में व्यापार के लिए एक प्रमुख मंच है। इस बीच, 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए एनएसई ने कंसोलिडेटेड कुल आय में सालाना आधार पर 17 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जो 19,177 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। इसकी फाइलिंग के अनुसार, वित्त वर्ष के लिए शुद्ध लाभ 47 प्रतिशत बढ़कर 12,188 करोड़ रुपए हो गया। प्रति शेयर आय भी पिछले वित्त वर्ष के 33.56 रुपए से बढ़कर 49.24 रुपए हो गई, जिसमें 4=1 रेश्यो में बोनस इक्विटी शेयर जारी करना शामिल है। कंपनी ने अपनी फाइलिंग में कहा कि निदेशक मंडल ने 35 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जिसमें 11.46 रुपए का विशेष एकमुश्त लाभांश शामिल है। इसके अतिरिक्त, एनएसई ने सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (एसटीटी), स्टाम्प ड्यूटी, सेबी फीस, आयकर और जीएसटी सहित विभिन्न शुल्कों के माध्यम से वित्त वर्ष 2025 में भारतीय खजाने में 59,798 करोड़ रुपए का योगदान दिया।

देश में लम्बे समय से पेट्रोल-डीजल उपभोक्ताओं को नहीं मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कितना भी उतार या चढ़ाव आया हो, लेकिन देश में लम्बे समय से पेट्रोल-डीजल उपभोक्ताओं को बड़ी राहत नहीं मिली है। गुरुवार को सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमते जारी कर दी है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में बदलाव नहीं हुआ है। यहां पर इसकी कीमत 105.51 रुपए प्रति लीटर ही है। हालांकि डीजल थोड़ा सस्ता हुआ है। राजस्थान में डीजल औसत कीमत 91.00 रुपए प्रति लीटर है। वहीं देश के प्रमुख शहरों में भी दोनों ही ईंधनों की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं हुआ है।दिल्ली में पेट्रोल की 94.72 और डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44, डीजल 89.97, कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76, डीजल 87.76 प्रे ति` लटिर है। वहीं चेन्नई में पेट्रोल 100.85 तथा डीजल 92.44 रुपए और और नोएडा में पेट्रोल 94.87, डीजल 88.01 रुपए प्रति लीटर की कीमत पर बिक रहा है। देश में आखिरी बार मार्च 2024 को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव किया था। इस दौरान दोनों ईंधनों की कीमतों को 2-2 रुपए प्रति लीटर की दर से संशोधित किया गया था।

ई-कॉमर्स कंपनियों को पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने के निर्देश

भारतीय कारोबारियों ने तुर्किये के सेब का बहिष्कार करना भी शुरू किया

नई दिल्ली। भारत सरकार ने युद्ध में पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब देने के बाद आर्थिक मोर्चे पर भी कड़ा फैसला किया है। उपभोक्ता संरक्षण नियामक (सीसीपीए) ने अमेजन इंडिया और फ्लिपकार्ट समेत ई-कॉमर्स कंपनियों को नोटिस जारी कर उन्हें पाकिस्तानी झंडे वाले उत्पाद हटाने का निर्देश दिया है। मंत्री प्रल्हाद जोशी ने इस कदम की घोषणा की और कहा कि ऐसी असंवेदनशीलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ई-कॉमर्स मंचों को निर्देश दिया जाता है कि वे ऐसी सामग्री को तुरंत हटा दें और राष्ट्रीय कानूनों का पालन करें। हालांकि, इस सामान को बेचकर कौन से कानून का उल्लंघन किया जा रहा है, यह मंदिर के पोस्ट में स्पष्ट नहीं किया गया। लेकिन कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुई हत्या के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव उत्पन्न हो गया है। इसके अलावा भारतीय कारोबारियों ने तुर्किये के सेब और संगमरमर जैसे उत्पादों का बहिष्कार करना शुरू किया है। जिससे तुर्की का भारत कोटा कम हो सकता है। सरकार के साथ-साथ पब्लिक के अंदर भी तुर्की और अज़रबैजान के साथ जबरदस्त गुस्सा है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्की और अज़रबैजान के बहिष्कार की मुहिम चल रही है। इसका सीधा असर दिखा है तुर्की और अज़रबैजान जाने वाली फ्लाइट बुकिंग्स पर भी देखा जा रहा है क्योंकि लोग जमकर इन दोनों देशों की प्लान की गई अपनी यात्राओं को कैंसल कर रहे हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1200, निफ्टी 395 अंक उछला

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को भारी बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई और इसके बाद दिन भर उतार-चढ़ाव बना रहा पर अंत में अचानक आई तेजी से बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1200.18 अंक 1.48 फीसदी की तेजी के साथ 82,530.74 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 395.20 अंक तकरीबन 1.60 फीसदी बढ़कर 25,062.10 अंकों पर बंद हुआ।

आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से 29 कंपनियों के शेयर बढ़त पर बंद हुए और केवल एक कंपनी का शेयर ही नीचे आया। इस प्रकार निफ्टी की 50 में से 49 कंपनियों के शेयरों में तेजी आई और केवल एक कंपनी का शेयर ही गिरा। सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल टाटा मोटर्स के शेयर सबसे ज्यादा 4.16 फीसदी उछले जबकि इंडसइंड बैंक के शेयर 0.16 फीसदी नीचे टूटे।

आज बढ़त पर बंद होने वाली सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में एचसीएल टेक 3.37 फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 2.60 फीसदी, मारुति सुजुकी 2.17 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 2.07 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.04 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 1.88 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.62 फीसदी व भारती एयरटेल 1.61 प्रतिशत रहीं। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंसो शेयरों में भी उछाल आया।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत रही। सुबह बाजार हल्की बढ़त के साथ सपाट स्तर पर खुले। खुलते ही निफ्टी-50 और सेंसेक्स लाल निशान में फिसल गए। बाजार के जानकारों का कहना है कि पिछले दो कारोबारी सत्र में बेंचमार्क में प्रॉफिट बुलिंग देखी गई। यह दिखाता है कि हाई लेवल पर गति कमजोर हो सकती है। आईटी स्टॉक्स में तेजी और मेटल कंपनियों के शेयरों में बढ़त और आखिरी एक घंटे में खरीदारी से बाजार चढ़कर बंद होने में कामयाब रहा। वहीं एशियाई बाज़ारों में गुरुवार को गिरावट देखी गई। पिछले दिन अमेरिका-चीन तनाव में नरमी की उम्मीद पर बढ़त बनी थी, लेकिन आज बाज़ार नीचे आ गए। जापान का निक्केई इंडेक्स 0.90 फीसदी ` गिरा, जबकि टॉपिक्स में 0.76 फीसदी की गिरावट रही। कोस्पी और एसएंडपी200 मामूली कमजोरी के साथ सपाट कारोबार कर रहे थे। अमेरिका में एसएंडपी 500 में 0.10 फीसदी की हल्की बढ़त रही नेस्डेक 0.72 फीसदी चढ़ा, डाओ जोंस 0.21 फीसदी फिसल गया।

सरकार मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी सीमा शुल्क लगाएगी

मेक इन इंडिया' को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली।

घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कर छूट के दुरुपयोग को रोकने के मकसद से वित्त मंत्रालय उत्पादों के एक नए वर्गीकरण में प्रमुख मोबाइल टावर उपकरणों पर 10 फीसदी बुनियादी सीमा शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। सैमसंग इंडिया और नोकिया सॉल्यूशंस मामले में विवाद को देखते हुए सरकार इस नीति पर विचार कर रही है। असल में इन दोनों फर्मों ने ऐसी वस्तुओं के आयात पर शून्य शुल्क लाभ का दावा किया है जिसे सरकार गलत वर्गीकरण मानती है। साल की शुरुआत में सैमसंग द्वारा कर से बचने के लिए रिमोट रेडियो हेड (आरआरएच) के आयात को कथित तौर पर गलत तरीके से वर्गीकृत किए जाने के मामले में 52 करोड़ डॉलर का कर नोटिस भेजा गया था। आरआरएच बेस स्टेशन का घटक होता है जिसका उपयोग मोबाइल टावरों में सिग्नल को प्रॉसेस करने के लिए किया जाता है।

कंपनी ने कर विभाग के आदेश को मुंबई सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपील पंचाट (सीईएसटीएटी) में चुनौती दी है।

उसका कहना है उत्पाद का वर्गीकरण उद्योग के मानदंड के अनुरूप है और अधिकारियों ने पहले इस पर सवाल नहीं उठाया था।ऐसे ही एक अन्य मामले में नोकिया को दिल्ली उच्च न्यायालय से राहत मिली थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने फरवरी में नोकिया के खिलाफ एडवांस रूलिंग अथॉरिटी के आदेश को खारिज कर दिया था। अथॉरिटी ने इसमें स्मॉल फॉर्म फैक्टर प्लगएबल (एसएफपी) ट्रांसीवर को पूर्ण दूरसंचार उपकरण के रूप में वर्गीकृत करने के लिए कहा था जिस पर 20 फीसदी शुल्क लगाया जाता है। मगर अदालत ने अपने फैसले में कहा कि एसएफपी कोई मशीन नहीं बल्कि नेटवर्क का हिस्सा है और उन्हें उन वस्तुओं के रूप में वर्गीकृत करना सही है जिन पर शून्य सीमा शुल्क लगता है।

घटनाक्रम के जानकार एक सरकारी अधिकारी ने नाम उजागर नहीं करने की शर्त पर बताया, 'इसका उद्देश्य मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप उच्चस्तरीय अत्याधुनिक दूरसंचार उपकरण उत्पादन के लिए आवश्यक वास्तविक उपकरणों पर शून्य शुल्क बनाए रखना है।

भारत सरकार चीनी निवेश प्रस्तावों की अधिक कठोर समीक्षा करेगी

सरकार ने पहले चीनी निवेश पर लगाया था प्रतिबंध

नई दिल्ली।

भारत सरकार ने चीनी कंपनियों के निवेश प्रस्तावों की कठोर समीक्षा की योजना बनाई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह निर्णय लिया गया है, जिसे भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर कार्रवाई के जवाब में 'ऑपरेशन सिंदूर' लॉन्च किया था। इससे चीन, तुर्की, बांग्लादेश ने पाकिस्तान को समर्थन दिया। हालांकि, यह स्थिति चीनी वेंचर्स के लिए विपरीत प्रभाव डाल सकती है। सरकार की ओर से इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग में चीनी कंपनियों के साथ ज्वाइंट वेंचर की तरफ बढ़ती रुचि के चलते अब देरी हो सकती है। होम अप्लायंसेस हायर भारतीय कार्यक्षेत्र जेएसडब्ल्यू ग्रुप के साथ संयुक्त उद्यम के संभावित 1,000 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव पर सरकार ने विचार करने का फैसला किया है। इससे स्थिति उद्योग में नए सवाल उत्पन्न हो सकते हैं। सरकार ने पहले चीनी निवेश पर प्रतिबंध लगाया था और इसके लिए निवेश पर नजर रखने का निर्णय लिया था। हाल ही में चीनी कंपनियों को भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में 5जी रोलआउट से बाहर रखा गया था। इस समीक्षा के फलस्वरूप भारत ने सुरक्षित निवेश के पक्ष में कठोर कदम उठाने का नेतृत्व किया है। यह इसे आतंकी हमलों के मामले में भी अपनी रचनात्मक स्थिति बनाए रखने में मदद कर सकता है।

सुरक्षा के लिए मारुति सुजुकी के सभी वैरिएंटस में मिलेंगे 6 एयरबैग

नई दिल्ली।

मारुति सुजुकी इंडिया ने अपने लोकप्रिय मॉडल्स ऑल्टो के 10, वैगन आर, सेलेरियो और ईको के सभी वैरिएंट्स में 6 एयरबैग देने का निर्णय लिया है। मारुति सुजुकी ने इसे ग्राहकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मारुति सुजुकी कंपनी के सीनियर एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (मार्केटिंग एंड सेल्स) पार्थो बनर्जी ने कहा कि भारत में तेजी से विकसित हो रहे सड़क नेटवर्क और बढ़ती तेज़ रफ्तार को देखते हुए अब पहले से कहीं अधिक मजबूत सुरक्षा मानकों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि 6 एयरबैग को स्टैंडर्ड बनाने का निर्णय लाखों ग्राहकों के लिए सुरक्षा के स्तर को बेहतर बनाएगा और यात्री सुरक्षा को समग्र रूप से सशक्त करेगा। मारुति सुजुकी की ये कारें एरेना डीलरशिप नेटवर्क के माध्यम से बेची जाती हैं, जबकि इसके प्रीमियम मॉडल्स बलेनो, ग्रैंड विटारा और इनविक्टो नेक्सा नेटवर्क के जरिए ग्राहकों तक पहुंचते हैं। कंपनी के इस निर्णय से

संकेत मिलता है कि वह अब एंट्री-लेवल कारों में भी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

इसी बीच कंपनी की मूल जापानी कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन ने घोषणा की है कि वह 2025-26 में 380 अरब येन का पूंजीगत निवेश करने की योजना बना रही है, जिसमें से करीब 50 प्रतिशत भारत में निवेश किया जाएगा। इस निवेश का उद्देश्य भारत में उत्पादन क्षमता बढ़ाना और भविष्य की मांगों को पूरा करना है।

माह के अंत में लांच होगा नया स्मार्टफोन शाओमी सीवी 5 प्रो

नई दिल्ली।

चालू महीने के अंत तक शाओमी सीवी 5 प्रो चीन में लॉन्च हो सकता है। यह फोन स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 चिपसेट से लैस होगा, हालांकि लॉन्च डेट अभी तक कन्फर्म नहीं हुई है। इस बीच, यह फोन गीकबेंच के डेटाबेस में दिखाई दिया है, और इसका मॉडल नंबर 25067 पीवायई3सी है। गीकबेंच लिस्टिंग में चिपसेट का नाम नहीं दिया गया है, लेकिन सीपीयू से मिली जानकारी से यह अनुमान लगाया जा रहा है कि फोन स्नैपड्रैगन 8एस जेन 4 चिपसेट के साथ आ सकता है। गीकबेंच टेस्ट में इस फोन को सिंगल-कोर में 1983 और मल्टी-कोर में 6874 पॉइंट मिले हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फोन में 16जीबी रैम और ऐंड्रॉयड 15 ऑपरेटिंग सिस्टम होगा। पिछले साल जून में लॉन्च हुए शाओमी सीवी के फीचर्स की तुलना में इस फोन में और बेहतर स्पेसिफिकेशन दिए जा सकते हैं, जैसे कि 1.5 के ओलेड डिस्प्ले, 12जीबी तक रैम, और स्नैपड्रैगन 8एस जेन 2 प्रोसेसर। इस फोन में डॉल्बी ऐटमॉस और इन-डिस्प्ले फिंगरप्रिंट सेंसर भी दिया गया है। फीचर्स की बात करें, तो यह फोन 1.5के रेजॉलूशन के साथ क्वॉड-कर्व्ड अमोलेड, 6000 एमएएच बैटरी और 67वॉच फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करेगा। इसके कैमरे में 50 मेगापिक्सल का टेलिफोटो लेंस और बेहतर लो-लाइट फोटोग्राफी एक्सपीरियंस की सुविधा होगी। भारत में इसे शाओमी 15 सिवी के नाम से लॉन्च किया जा सकता है।

गूगल ने अपने यूज़र्स के लिए नए सिक्योरिटी और प्राइवेसी फीचर्स का किया ऐलान

नए फीचर्स धोखाधड़ी, डेटा चोरी और डिवाइस थेफ्ट से सुरक्षा करेंगे प्रदान

नई दिल्ली।

स्कैम और फॉड के बढ़ते मामलों के चलते गूगल ने अपने एंड्रॉयड यूजर्स की सुरक्षा के लिए नए सिक्योरिटी और प्राइवेसी फीचर्स का ऐलान किया है। ये फीचर्स मंगलवार को पेश किए गए। गूगल का कहना है कि एंड्रॉयड 16 में शामिल ये नए फीचर्स यूजर्स को धोखाधड़ी, डेटा चोरी और डिवाइस थेफ्ट से सुरक्षा प्रदान करेंगे। गूगल द्वारा पेश फीचर्स में ऑन-कॉल सिक्योरिटी लेयर, स्क्रीन शेयरिंग के दौरान प्राइवेसी प्रोटेक्शन, ओटीपी चोरी से बचाव और फैक्ट्री रीसेट प्रोटेक्शन शामिल हैं। इन उपायों से यह तय किया जाएगा कि कोई भी व्यक्ति यूजर की अनुमति के बिना डिवाइस को रीसेट या एक्सेस नहीं कर सकता। कंपनी की रिसर्च के मुताबिक स्कैमर्स अक्सर यूजर्स को फोन पर कुछ खास गतिविधियां करने के लिए ब3हकाते हैं, जिससे उन्हें डिवाइस की सिक्योरिटी सेटिंग्स तक पहुंच मिल जाती है। इसे रोकने के लिए गूगल कुछ एक्शन्स को ब्लॉक करने की तैयारी कर रहा है और साथ ही यूजर्स को संभावित हमलों के बारे में चेतावनी भी देगा। गूगल के सिक्योरिटी ग्रुप प्रोडक्ट मैनेजर ने बताया कि नया अडवांस्ड प्रोटेक्शन प्लान एक यूनिफाइड सिक्योरिटी सेटिंग देता है, जो एंड्रॉयड की सबसे अच्छी और बेहतर सुरक्षा को एक्टिवेट और लॉक कर देता है। खासकर पत्रकारों, जनप्रतिनिधियों और सार्वजनिक हस्तियों के लिए यह सुरक्षा बेहद उपयोगी साबित होगी। इसके अलावा गूगल ने हाल ही में एआई पावर्ड स्कैम डिटेक्शन फीचर को फोन और मैसेजेस ऐप में रोलआउट किया है, जो अब बिलिंग, गिफ्ट कार्ड, क्रिप्टो और टेक्निकल स्कैम जैसे खतरों से भी अलर्ट करेगा। वहीं स्क्रीन शेयरिंग प्रोटेक्शन से कॉल खत्म होने पर स्क्रीन शेयरिंग को बंद करने की रिमाइंडर मिलेगी। यूजर्स को ओटीपी चोरी से भी बचाने के लिए एक नया फीचर जोड़ा गया है, जिसमें हाई-रिस्क स्थितियों में ओटीपी लॉक स्क्रीन पर दिखाई नहीं देगा।

यह फीचर तब एक्टिवेट होगा जब फोन वाई-फाई से कनेक्ट न हो या हाल ही में अनलॉक न किया गया हो। गूगल ने कहा है कि ये सभी फीचर्स धीरे-धीरे एंड्रॉयड 16 डिवाइसेज पर उपलब्ध होंगे।

खाद्य पदार्थों की कीमतों में गिरावट का असर

अप्रैल में थोक महंगाई 13 महीने के निचले स्तर 0.85 प्रतिशत पर, रोजमर्रा की वस्तुएं हुईं सस्ती

नई दिल्ली।

अप्रैल महीने में थोक महंगाई 2.05 प्रतिशत से घटकर 0.85 प्रतिशत पर आ गई है। ये महंगाई का 13 महीनों का निचला स्तर है। इससे पहले मार्च 2024 में महंगाई 0.53 प्रतिशत पर थी। वहीं फरवरी 2025 की महंगाई दर को सरकार ने संशोधित किया है। इसे 2.38 प्रतिशत से बढ़ाकर 2.45 प्रतिशत कर दिया गया है। रोजाना की जरूरत के सामान और खाने-पीने की चीजों की कीमतों के घटने से महंगाई घटी है। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने आज यानी 14 मई को ये आंकड़े जारी किए।

रोजाना की जरूरत वाले सामानों की महंगाई 0.76 प्रतिशत से घटकर -1.44 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.66 प्रतिशत से घटकर 2.55 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर 0.20 प्रतिशत से घटकर -2.18 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 3.07 प्रतिशत से घटकर 2.62 प्रतिशत रही।

होलसेल प्राइस इंडेक्स का आम आदमी पर असर

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए होलसेल प्राइस इंडेक्स को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। होलसेल प्राइस इंडेक्स में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

दोनों देशों के लिए 'व्यापारिक समझौता' लाभदायक होना जरूरी है, अमेरिका को लेकर जयशंकर का बयान

नई दिल्ली।

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि पाकिस्तान की ओर से युद्धविराम की बात करने से पहले, भारत ने यह स्पष्ट किया था कि वह केवल आतंकवादी संरचनाओं को नष्ट कर रहा है, न कि पाकिस्तान की सेना को निशाना बना रहा है। विदेश मंत्री ने कहा कि 7 मई को पाकिस्तान को चेतावनी दी गई थी कि वे अपनी सेना को इस कार्रवाई से अलग रखें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। 10 मई को भारतीय कार्रवाई से पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ, जिसके बाद उसने युद्धविराम की बात की, जिससे यह स्पष्ट होता है कि पाकिस्तान ही युद्धविराम चाहता था। एस जयशंकर ने यह भी स्पष्ट किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध केवल द्विपक्षीय होंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान से केवल आतंकवाद पर ही वार्ता की जाएगी और पाकिस्तान को अपनी आतंकवादी संरचनाओं को समाप्त करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जम्मू और कश्मीर मुद्दे पर केवल पीओके की वापसी पर चर्चा की जाएगी, न कि किसी और विषय पर बात होगी। एस जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता जारी है और यह एक जटिल प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा कि कोई भी व्यापारिक समझौता तब तक नहीं हो सकता, जब तक वह दोनों देशों के लिए लाभकारी न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है और इस पर अधिक विचार-विमर्श की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एप्पल के सीईओ टीम कुक से कहा कि वह भारत में फैक्ट्रियां नहीं लगाएं। ट्रंप के इस बयान के

बाद जयशंकर ने ये बातें कही हैं। इसके साथ ही, एस जयशंकर ने होंडुरास के साथ भारत के बढ़ते व्यापारिक संबंधों का स्वागत किया और कहा कि यह देश भारत का समर्थन करता है, खासकर पलगाम हमले के बाद, जब होंडुरास ने भारत के पक्ष में मजबूत एकजुटता दिखाई थी।

संक्षिप्त समाचार

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने टेली-काउंसलिंग आयोजित की

नई दिल्ली।

कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा के परिणामों के बाद छात्रों को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने मुफ्त में मनोवैज्ञानिक परामर्श सेवाओं के दूसरे चरण की शुरुआत की है। यह हेल्पलाइन 13 मई से शुरू हो चुकी है और 28 मई 2025 तक उपलब्ध रहेगी। बोर्ड ने इस तनावपूर्ण समय में छात्रों और उनके परिवारों की मानसिक लाभ सुनिश्चित करने के लिए यह कदम उठाया है। सीबीएसई परिणाम 2025 की मार्कशीट छात्र अपने रोल नंबर, एडमिट कार्ड आईडी, स्कूल कोड और जन्म तिथि जैसी लॉगिन जानकारियों के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं। यह मुफ्त परामर्श सेवा विभिन्न प्रकार के सहयोग प्रदान करती है। टेली-काउंसलिंग सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक आयोजित की जाएगी। आईवीआरएस समर्थन (24म7): छात्र और अभिभावक 1800-11-8004 पर कॉल करके तनाव प्रबंधन, समय प्रबंधन और अन्य परीक्षा-संबंधित समस्याओं पर तुरंत सलाह प्राप्त कर सकते हैं। टेली-काउंसलिंग: सुबह 9:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक, भारत और विदेशों में स्थित सीबीएसई स्कूलों के 65 प्रशिक्षित विशेषज्ञ जिनमें प्राचार्य, काउंसलर और विशेष शिक्षक शामिल हैं, दूरभाष पर मार्गदर्शन देंगे। छात्र इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए सीबीएसई वेबसाइट के 'काउंसलिंग'अनुभाग में जा सकते हैं या **CBSE HQ** के यूट्यूब चैनल पर विज़िट कर सकते हैं ऑनलाइन संसाधन सीबीएसई की वेबसाइट और आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर मानसिक स्वास्थ्य और शैक्षणिक दबाव को संभालने जैसे विषयों पर पॉडकास्ट और वीडियो उपलब्ध हैं। छात्र इन सेवाओं का लाभ उठाने के लिए सीबीएसई वेबसाइट के 'काउंसलिंग' अनुभाग में जा सकते हैं।

मणिपुर में 10 उग्रवादी ढेर, भारी मात्रा में हथियार बरामद

इंफाल।

चांदेल जिले के खेंगजॉय इलाके में भारत-म्यांमार बॉर्डर के पास भारतीय सेना के असम राइफल्स के जवानों ने 10 उग्रवादियों को ढेर कर दिया।इंडियन आर्मी ने एक्स पर बताया कि, मणिपुर के चांदेल जिले के खेंगजॉय तहसील के न्यू समतल गांव के पास उग्रवादियों की गतिविधियों का पता चला था। भारत-म्यांमार सीमा के पास सशस्त्र कैडरों यानी उग्रवादियों की गतिविधियों की खुफिया जानकारी पर एक्शन लिया गया। स्पीयर कॉर्प्स के तहत अस राइफल्स यूनिट ने 14 मई 2025 को एक अभियान शुरू किया।जैसे ही सेना के जवानों ने ऑपरेशन शुरू किया, उग्रवादियों ने उन पर गोलियां चलाईं। इसके बाद बारी मुंहतोड़ जवाब देने की थी। आधी रात को असम राइफल्स के जवानों ने तुरंत एक्शन लिया और एनकाउंटर में 10 उग्रवादियों को मार गिराया। इस दौरान उग्रवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।भारतीय सेना का पूर्वी सीमा पर यह एक्शन ऐसे वक्त में हुआ है, जब भारत-पाक सीमा यानी एलओसी पर तनाव है। एलओसी पर आतंकी लगातार हिमाकत कर रहे हैं। बीते दिनों भारतीय सेना के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश कर रहे तीन आतंकियों को मार गिराया था। उधर, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव भी चरम पर है।

देशभर में जजों की कमी है दिल्ली हाईकोर्ट कोई अपवाद नहीं

नई दिल्ली।

देश की सभी अदालतों में जजों की कमी है। ऐसे में दिल्ली हाईकोर्ट इसका अपवाद नहीं है। यहां जजों की कुल स्वीकृत संख्या 60 है, जबकि महज 36 जजों से ही काम चलाना पड़ रहा है। जजों की कमी को लेकर हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई थी। इस मामले में उचित दिशा-निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिका पर सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला की पीठ ने अहम टिप्पणी की है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा की ओर से ठोस दलील पेश की गई। इसके बाद याची ने अपनी याचिका वापस ले ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जजों की रिक्तियों से संबंधित एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर विचार करने से इनकार करते हुए कहा कि न्यायाधीशों की नियुक्ति की प्रक्रिया पब्लिक सर्विस में नॉर्मल रिक्रूटमेंट की तरह नहीं है। जजों की रिक्तियों और नियुक्तियों का मामला संवैधानिक है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीके उपाध्याय की पीठ सीनियर वकील अमित साहनी द्वारा दायर जनहित याचिका पर विचार कर रही थी। अमित साहनी ने दिल्ली हाईकोर्ट में जजों की कमी के मसले पर कोर्ट से निर्देश देन की मांग कर रहे थे। उन्होंने अपनी याचिका में बताया कि वर्तमान में हाईकोर्ट 60 स्वीकृत पदों के मुकाबले 36 जजों की संख्या के साथ काम कर रहा है।

इधर भारत पाक के आतंकियों से निपट रहा था, उधर चीन ने बंगाल की खाड़ी में चली नई चाल

नई दिल्ली।

बीते एक पखवाड़े से भारतीय सेना पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के तहत एक्शन में व्यस्त थी। इसी बीच चीन ने हिन्द महासागर में बड़ी हिमाकत कर दी। चीन की हिमाकत इतनी बड़ी थी कि इसका पता चलते ही भारतीय नेवी तुरंत एक्शन में आ गई। वो सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है। दरअसल, हुआ कुछ यूं कि भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच चीनी का जासूसी जहाज 'दा यांग हाओ' मलक्का स्ट्रेट से होते हुए सीधे बंगाल की खाड़ी में पहुंच गया। भारत हमेशा से ही चीन के रिसर्च वेसल को बंगाल की खाड़ी में आने से रोकता रहा है। चाहे बांग्लादेश हो या फिर श्रीलंका या मालदीव, भारत अपने हर पड़ोसी के साथ मिलकर चीन को इस क्षेत्र में आने से रोकने का हर संभव प्रयास करता है। भारत पाकिस्तान संग बीजी था। तभी चीन का आधुनिक रिसर्च जहाजों गुपचुप तरीके से यहां आ गया। इस जहाज को चीन की 'फ्लोटिंग लैब' के नाम से भी जाना जाता है। हालांकि, भारत और अन्य देश इसे एक जासूसी जहाज ही मानते हैं। यह वेसल समुद्र की गहराई का नक्शा बनाने के लिए जाना जाता है। इस जहाज की मदद से ही चीन मिसाइलों को ट्रैक करने और पनडुब्बियों की गतिविधियों की निगरानी करने में सक्षम हो सका है। ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस विशेषज्ञ डेमियन साइमन ने बताया कि यह जहाज श्रीलंका के दक्षिण की ओर बढ़ रहा था। ड्रैगन ने 2019 में इसे अपने बेड़े में शामिल किया था। पिछले कुछ वर्षों में चीन के ऐसे कई जहाज रिसर्च वेसल हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी में नजर आए हैं। माना जाता है कि चीन का यह जहाज रिसर्च के नाम पर सैन्य अभियानों के लिए अहम डेटा इकट्ठा करता है। माना जाता है कि चीन की नौसेना के पास दा यांग हाओ जैसे कुल चार और रिसर्च जहाज हैं। जियांग यांग होंग 3 ने हाल ही में मालदीव की राजधानी माले में दो बार डॉक किया था। दावा किया जा रहा है कि जियांग यांग होंग 1 भारतीय मिसाइल टेस्ट से ठीक पहले बंगाल की खाड़ी में देखा गया।

नक्सलवाद पर बोले पीएम मोदी- शांति स्थापना और विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर 31 नक्सलियों के मारे जाने की हालिया घटना यह स्पष्ट करती है कि सरकार वामपंथी उग्रवाद को जड़ से खत्म करने के अपने मिशन में सही दिशा में आगे बढ़ रही है। उन्होंने यह बात सोशल मीडिया मंच एक्स पर बुधवार को साझा एक पोस्ट में कही। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संदेश में कहा, कि सुरक्षा बलों की यह सफलता बताती है कि नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने की दिशा में हमारा अभियान सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शांति की स्थापना और उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस मुठभेड़ को नक्सलवाद के विरुद्ध अब तक का सबसे बड़ा ऑपरेशन बताया था। उन्होंने कहा था कि छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा के करेंगुट्टा पहाड़ी (केजीएच) पर सुरक्षा बलों ने 31 कुख्यात नक्सलियों को ढेर कर एक ऐतिहासिक सफलता दर्ज की है। अमित शाह ने यह भी कहा, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम नक्सलवाद को जड़ से मिटाने के लिए संकल्पित हैं। मैं देशवासियों को विश्वास दिलाता हूं कि 31 मार्च 2026 तक भारत नक्सल मुक्त होगा।

बड़ी रणनीतिक कामयाबी

इस ऑपरेशन को केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और राज्य पुलिस बलों के बीच बेहतर समन्वय का परिणाम माना जा रहा है।

यह कार्रवाई न केवल नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की मजबूती दर्शाती है, बल्कि सरकार के उस दीर्घकालिक दृष्टिकोण को भी रेखांकित करती है, जिसमें आतंक और उग्रवाद को खत्म कर शांति व विकास को प्राथमिकता दी गई है। छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर नक्सल विरोधी अभियान में मिली इस बड़ी सफलता ने सरकार की नीति को और बल प्रदान किया है। केंद्र सरकार अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों को विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे के जरिए मुख्यधारा से जोड़ने के अपने संकल्प को और मजबूती से आगे बढ़ा रही है।

राजौरी और पुंछ में बढ़ी सैन्य सक्रियता, एलओसी पर सुरक्षा स्थिति की हुई समीक्षा

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के राजौरी और पुंछ जिलों में पाकिस्तान की हालिया गोलाबारी और आतंकी गतिविधियों के बीच सुरक्षा को लेकर सेना की सक्रियता बढ़ गई है। व्हाइट नाइट कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग (जीओसी) लेफ्टिनेंट जनरल पी.के. मिश्रा ने बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास स्थित अग्रिम इलाकों का दौरा किया और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की।

लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा के साथ आतंकवाद रोधी रोमियो फोर्स के जीओसी मेजर जनरल मनीष गुप्ता भी मौजूद थे। दोनों अधिकारियों ने राजौरी जिले में नारियां और जर्रान वाली गली तथा पुंछ जिले में तोता गली सेक्टर का दौरा किया। 07 मई से दस मई के बीच पुंछ और राजौरी जिलों में हुई अंधाधुंध गोलाबारी और आतंकी हमलों में 20 से अधिक लोग मारे गए, जिनमें कई सुरक्षाकर्मी भी शामिल हैं। इसके अलावा 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव और चौकसी का स्तर काफी बढ़ गया है।

सैनिकों के मनोबल की सराहना

व्हाइट नाइट कोर की ओर से सोशल मीडिया मंच एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर जारी एक बयान में बताया गया कि लेफ्टिनेंट जनरल मिश्रा ने अग्रिम चौकियों पर तैनात जवानों से मुलाकात की और उनके साहस व पेशेवर रवैये की सराहना की। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष और क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए जवानों को उच्च मनोबल और तत्परता बनाए रखने का आह्वान किया।

अब पुराने रूट से भी केदारनाथ यात्रा, रामबाड़ा से गरुड़चट्टी का रास्ता किया जा रहा ठीक

2013 की आपदा में हुआ था भारी नुकसान, यात्रियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं

देहरादून,(ईएमएस)। केदारनाथ यात्रा अब पुराने पैदल रास्ते से भी पूरी की जा सकेगी। इसको लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। केदारनाथ रूट पर रामबाड़ा से गरुड़चट्टी के बीच पुराने रास्ते की मरम्मत का काम अंतिम चरण में है। लोक निर्माण विभाग ने इस साल इस काम को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। बता दें 2013 की केदारनाथ आपदा के दौरान गौरीकुंड से केदारनाथ का पैदल रास्ता बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। खासकर रामबाड़ा से गरुड़चट्टी के बीच रास्ता पानी में बह गया था। इससे लोनिवि को नदी के दूसरी ओर नया पैदल रास्ता बनाना पड़ा। इस वजह से केदारनाथ की पैदल यात्रा 14

किमी से बढ़कर 16 किमी हो गई थी।

पैदल रास्ता लंबा होने की वजह से यात्रियों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था। विभाग के सचिव ने बताया कि केदारनाथ के पुराने रास्ते को ठीक करने का काम जारी है। विभाग के अधिकारियों को इस साल रामबाड़ा से गरुड़चट्टी तक के पैदल रास्ते को ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। उम्मीद है कि बरसात के बाद इस साल यात्री पुराने पैदल मार्ग से यात्रा कर सकेंगे। रूट को ठीक करने की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रूट पर तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

मुंबई एयरपोर्ट से हवाई यात्रा होगी महंगी, टिकट में ही शामिल होगा बढ़ा हुआ शुल्क

मुंबई।

एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी द्वारा मंजूर यूजर डेवलपमेंट फीस लागू होने के कारण आज यानि शुक्रवार से मुंबई से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट टिकट के दाम बढ़ जाएंगे। यह शुल्क 31 मार्च 2029 तक लागू रहेगा। यूजर डेवलपमेंट फीस के कारण यात्रियों को घरेलू यात्रा के लिए 175 रुपये और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के लिए 615 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। यह बढ़ा हुआ शुल्क फ्लाइट टिकट में शामिल होगा। अगस्त 2024 तक घरेलू यात्रा के लिए यह शुल्क 120 रुपये था। फिलहाल यह शुल्क सिर्फ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों पर लागू है। मुंबई आने वाली घरेलू उड़ानों के लिए अब 75 रुपये लगेंगे। जबकि विदेश से आने वाले यात्रियों को 260 रुपये का शुल्क देना होगा। इस शुल्क वृद्धि के मद्देनजर घरेलू टिकटों के लिए 250 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 875 रुपये अतिरिक्त लिए जाएंगे। आम तौर पर किसी एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले यात्रियों के टिकट पर यह शुल्क लगाया जाता है। मुंबई एयरपोर्ट पर यह शुल्क आने-जाने वाली दोनों उड़ानों पर लगाया जाएगा। छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की परिचालक अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड की सहायक कंपनी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (एमआईएएल) ने मुंबई एयरपोर्ट पर बुनियादी ढांचे के विकास और प्रौद्योगिकी उन्नयन परियोजनाओं के लिए यह शुल्क लगाने का प्रस्ताव दिया था। इसने घरेलू यात्रियों के लिए 325 रुपये और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए 650 रुपये शुल्क का प्रस्ताव रखा था। अब सोशल मीडिया पर प्रतिक्रियाएं सुनने को मिल रही हैं कि क्या इस शुल्क बढ़ोतरी से शौचालय से लेकर यात्रा के अनुभव में सुधार आएगा। इस बीच, जैसा कि एयरपोर्ट्स इकोनॉमिक रेगुलेटरी अथॉरिटी ने यात्री सुविधा विकास शुल्क (यूजर डेवलपमेंट फीस) में बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी है, अब मुंबई से घरेलू यात्रा करने वाले यात्रियों की हवाई यात्रा महंगी हो जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछा: क्या विधेयकों पर मंजूरी की समयसीमा सुप्रीम कोर्ट तय कर सकता है?

नई दिल्ली।

राष्ट्रपति या राज्यपाल द्वारा कई वार विधेयकों की मंजूरी को लेकर राजनीति होने लगती है। मामला कोर्ट में जाता है। ऐसा ही एक मामला तमिलनाडु सरकार की अपने राज्यपाल के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से ही यह सवाल उठने लगा है। 8 अप्रैल को आए इस फैसले पर अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस पर सुप्रीम कोर्ट से औपचारिक राय मांगी है। राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143(1) के तहत 14 बेहद अहम सवाल पूछते हुए यह साफ किया है कि संविधान में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जो विधेयकों पर मंजूरी या नामंजूरी की समयसीमा तय करती हो।राष्ट्रपति ने कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 200 और 201 के तहत विधेयकों पर फैसला लेते हैं, लेकिन ये अनुच्छेद कहीं भी कोई समयसीमा या प्रक्रिया निर्धारित नहीं करते। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यपाल और राष्ट्रपति का यह विवेकपूर्ण निर्णय संघवाद, कानूनों की एकरूपता, राष्ट्रीय सुरक्षा और शक्तियों के बीच संतुलन जैसे बहुपक्षीय पहलुओं पर आधारित होता है।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने 8 अप्रैल को अपने 415 पन्नों के फैसले में कहा था कि राज्यपाल को विधेयक मिलने के तीन महीने के भीतर निर्णय लेना होगा। अगर विधानसभा दोबारा वही विधेयक पारित कर भेजती है, तो राज्यपाल को एक महीने के अंदर मंजूरी देनी होगी। वहीं राष्ट्रपति को भी उस विधेयकों पर तीन महीने के भीतर निर्णय करना होगा।राष्ट्रपति मुर्मू ने कोर्ट की तरफ से तमिलनाडु के 10 पेंडिंग बिल को 'डिम्ड असेंट' (माना जाएगा कि मंजूरी मिल गई) बताने पर भी आपत्ति जताई और कहा कि यह संविधान की मूल भावना के विरुद्ध है। उन्होंने कहा, 'डिम्ड असेंट जैसी कोई अवधारणा संविधान में नहीं है। यह राष्ट्रपति और राज्यपाल की संवैधानिक शक्तियों को सीमित करती है।' राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट से यह भी पूछा कि क्या अनुच्छेद 142 का प्रयोग ऐसे मामलों में किया जा सकता है, जो पहले से ही संविधान या कानूनों में स्पष्ट रूप से परिभाषित हैं? यह अनुच्छेद न्याय सुनिश्चित करने के लिए न्यायापालिका को विशेष अधिकार देता है।

अनुच्छेद 32 बनाम अनुच्छेद 131 पर चिंता

राष्ट्रपति ने यह भी सवाल उठाया कि केंद्र और राज्य के बीच संवैधानिक विवादों को लेकर राज्य सरकारें अनुच्छेद 131 के बजाय अनुच्छेद 32 के तहत सीधे सुप्रीम कोर्ट क्यों जा रही हैं, जो कि मूल रूप से नागरिकों के मौलिक अधिकारों की सुरक्षा के लिए है।

सुरक्षा बलों ने 48 घंटे के भीतर ढेर कर दिए आधा दर्जन आतंकी

जम्मू।

भारतीय सुरक्षा बलों ने बीते 48 घंटों के भीतर आधा दर्जन आतंकियों को ढेर कर दिया है। ये आतंकी जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे। पुलवामा के अवंतीपोरा और शोपियां जिलों में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों को दो अलग-अलग ऑपरेशन में बड़ी चोट दी है। बीते 48 घंटों में दो अलग-अलग मुठभेड़ों में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा के कुल 6 आतंकियों को मार गिराया। उनकी पहचान आसिफ अहमद शेख, आमिर नजीर वानी और यावर अहमद भट के रूप में हुई है। तीनों पुलवामा जिले के रहने वाले थे। मंगलवार को शोपियां जिले के केलर इलाके में एक ऑपरेशन में तीन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी मारे गए थे। इनमें दो की पहचान शाहिद कुट्टे और अदनान शफी के रूप में हुई है। शाहिद कुट्टे ने 2023 में लश्कर जॉइन किया था। वह 8 अप्रैल 2024 को डैनिश रिज़ॉर्ट में विदेशी पर्यटकों पर फायरिंग और मई 2024 में हीरपोरा में भाजपा सरपंच की हत्या में शामिल था। अदनान शफी 2024 में संगठन से जुड़ा था और शोपियां के वाची में एक प्रवासी मज़दूर की हत्या में शामिल रहा। सुरक्षाबलों को मारे गए आतंकियों के पास से तीन राइफलें, गोला-बारूद और अन्य हथियार बरामद हुए हैं।

जर्मन टूरिस्ट और सरपंच का हत्यारा भी ढेर

मारे गए आतंकियों में शाहिद कुताय बेहद खतरनाक आतंकी था। उसकी लंबे समय से सुरक्षा बलों की तलाश थी, आज वह हत्थे चढ़ा तो एनकाउंटर में उसकी फाइल ही बंद कर दी गई। उसने अप्रैल 2024 में दानिश रिजॉर्ट पर गोलियां चलाई थीं। इस हमले में दो जर्मन टूरिस्ट बुरी तरह जख्मी हुए थे। इसके अलावा उनके ड्राइवर को भी घायल हुआ था। इसी आतंकी ने बीते साल ही मई में शोपियां के एक सरपंच का कत्ल कर दिया था, जो भाजपा से जुड़े थे। शाहिद खुद भी शोपियां के ही हीरापोरा इलाके का रहने वाला था। वह मार्च 2023 में ही आतंकी संगठन में शामिल हुआ था। कुछ दिनों में ही उसका दुस्साहस इतना बढ़ गया था कि नेताओं से लेकर सुरक्षा बलों तक को टारगेट करने लगा था। इसी कड़ी में उसने बीते साल 18 मई को भाजपा नेता का कत्ल किया था। उसे ए कैटिगरी का आतंकी घोषित किया गया था।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक कजोड़मल मीना के लिए स्काईटक प्रिन्टर्स, 111, नवाब कल्लन का बाग, एमएलए क्वार्टर, नीयर समाचार जगत, एमआई रोड, जयपुर से मुद्रित एवं 303, भव्य टॉवर, कबीर मार्ग, बनीपार्क जयपुर से प्रकाशित।
(इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के तहत उत्तरदायी) समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्राधिकार जयपुर शहर होगा। मो. नं. 9928078717